

वरिशी स्त्री. (तद्.) मजबूत पतली रस्सी और एक लंबी छड़ी की सहायता से बनाया गया, मछली पकड़ने का एक देशी यंत्र, कंटिया।

वरिष्ठ वि. (तत्.) 1. बड़ा, ज्येष्ठ 2. सर्वोत्तम, श्रेष्ठतम, सब से बड़ा।

वरीय वि. (तत्.) 1. श्रेष्ठ, वरिष्ठ 2. अनेक विकल्पों में से उत्तम विकल्प, चुनने योग्य, अधिमान्य।

वरु अव्य. (तद्.) अपितु, नहीं तो, वरना, बल्कि।

वरुण पुं. (तत्.) 1. पश्चिम दिशा का स्वामी तथा जल का अधिष्ठाता देवता 2. समुद्र 3. आकाश 4. इस सौर मंडल का सब से दूरस्थ ग्रह।
neptune

वरुणपाश पुं. (तत्.) 1. वरुण देवता का फंदा, इन का प्रमुख आयुध 2. एक जलचर, घड़ियाल, मगर, मगरमच्छ।

वरुणानी स्त्री. (तत्.) वरुण की पत्नी।

वरुणालय पुं. (तत्.) समुद्र, सागर जल की असीमित राशि।

वरुणावास पुं. (तत्.) दे. वरुणालय।

वरुथ पुं. (तत्.) 1. फौज की लश्कर, बख्तर, सेना समूह 2. बचाव, रक्षा के लिए रथ पर डाला जाने वाला लोहे का जाल 3. ढाल 4. सेना का अध्यक्ष, दल नायक।

वरुथिनी स्त्री. (तत्.) 1. वैशाख कृष्ण पक्ष एकादशी 2. रथ पर बैठी स्त्री, कवच पहने स्त्री।

वरुथी¹ पुं. (तत्.) 1. हाथी की काठी 2. रथ 3. रक्षक। वि. (तत्.) कवच पहने हुए, कवचधारी।

वरुथी² स्त्री. (तत्.) फौज, लश्कर, सेना।

वरे क्रि.वि. (देश.) परे, दूर, उधर की तरफ, वहाँ की ओर।

वरेण्य वि. (तत्.) 1. धारण करने योग्य, वरण करने योग्य 2. पूज्य 3. जिसकी इच्छा की जाए पुं. (तत्.) 1. महादेव, केसर 3. भृगु का एक पुत्र।

वर्कशाप स्त्री. (अं.) निर्धारित कार्य संपन्न करने के लिए विशिष्ट व्यक्तियों का एक वर्ग, कार्यशाला।

वर्ग पुं. (तत्.) 1. लगभग समान लक्षणों वाले सदस्यों का एक समूह 2. कक्षाओं के वर्ग 3. देवनागरी वर्णमाला के स्पर्श, स्पर्श संघर्षी व्यंजनों के पाँच वर्ग- यथा कवर्ग, चवर्ग, टवर्ग, तवर्ग और पवर्ग 4. ज्यामिति के अनुसार चार भुजाओं की ऐसी आकृति जिसके चारों कोण समकोण हों और चारों भुजाएँ बराबर हों।

वर्गक पुं. (तद्.) आनुवंशिक दृष्टि से संबंधित जीवों का समूह, जीव-वर्ग, जाति।

वर्ग चेतना स्त्री. (तत्.) 1. अपने जाति-वर्ग अथवा कुल को सर्वश्रेष्ठ मानने की भावना 2. ऐसे ही अन्य वर्गों के प्रति असहिष्णुता की भावना।

वर्ग निर्विशिष्ट वि. (तत्.) निर्धारित वर्गों से संबंध न रखने वाला, वर्ग विशेष का सदस्य निर्धारित न होने वाला, वर्ग वैशिष्ट्य से रहित।

वर्ग नैतिकता स्त्री. (तत्.) वर्ग विशेष के नियम, जाति वर्ग के उसूल, वर्ग अथवा समूह का नैतिक आचरण।

वर्ग-पहेली स्त्री. [तत्.+देश.] वर्गाकार रेखाकृति में बनाए गए समान आकार के छोटे-छोटे वर्ग, जिनमें से कुछ वर्ग रिक्त तथा कुछ में वर्ण अंकित होते हैं, दिए गए संकेतों के आधार पर रिक्त वर्गों में उपयुक्त वर्ण भर कर सार्थक शब्दों के निर्माण की पहेली।

वर्गफल पुं. (तत्.) दो समान संख्याओं का गुणनफल, दो समान संख्याओं का वर्ग जैसे- $9 \times 9 = 81$, दो समान राशियों के घात से प्राप्त राशि।